(ङ) यदि हां, तो सरकार इस समस्या को समय पर हल करने और इस डाक-हड़ताल के दुष्परिणामों को दूर करने के लिए कब तक रचनात्मक कदम उठायेगी और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

संचार मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री सुखराम) : (क) डाक कर्मचारियों तथा अतिरिक्त विभागीय एजेंटों की हड़ताल दिनांक 10-12-93 को सायं 5.00 बजे समाप्त हो गई थी।

(ख) सक्षम सरकारी प्राधिकरण की सहमति से समय-समय पर औचित्यपूर्ण प्रचालन पद; सृजित किए जाते हैं तथा नई नियुक्तियां की जाती हैं।

(ग) अतिरिक्त विभागीय एजेंट विभाग के केवल अंशकालिक एजेंट हैं तथा वे मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में कार्य करते हैं जहां डाक-परिघात की न्यूनता और नियमित डाकघर पर अधिक लागत आने के कारण नियमित विभागीय डाकघर खोलने का औचित्य नहीं बनता। उनके पास जीविकोपार्जन के कुछ स्वतंत्र साधन भी होते हैं। चूंकि, वे विभाग के केवल अंशकालिक एजेंट होते हैं और उनके द्वारा किए जाने वाले डाककार्य, अपेक्षाकृत साधारण प्रकृति के होते हैं, अतः उनके और नियमित विभागीय कार्यचारियों के बीच कोई तुलना नहीं की जा सकती। इसके अतिरिक्त, उनके लिए ग्रुप "डी" के शत-प्रतिशत पद तथा पोस्टमैन संवर्ग के 50 प्रतिशत पद आरक्षित होते हैं। पोस्टमैन संवर्ग के शेष 50 प्रतिशत पद केवल ग्रुप "डी" कर्मचारियों द्वारा भरे जाते हैं, अतः ये पद भी अन्ततोगत्वा अतिरिक्त विभागीय एजेंटों को ही मिलते हैं।

(घ) जी नहीं।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाएं :

2517. श्रीमती सुषमा स्वराज :

डा० जितेन्द्र कुमार जैन :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 1 नवम्बर, 1993 के "इकोनॉमिक टाइम्स" में "रूरल टेलीकॉम फाइनेन्शियली वॉयबल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है,

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीफोन प्रणाली अलाभकारी नहीं है,

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है,

(घ) ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीफोन सुविधा का विस्तार करने के लिए पिछले दो वर्षों के दौरान सरकार ने क्या लक्ष्य निर्धारित किये थे और उक्त लक्ष्यों की प्राप्ति का प्रतिशत कितना है, और

(ङ) अगले तीन वर्षों के दौरान देश के कुल ग्रामीण क्षेत्र के कितने प्रतिशत भाग में टेलीफोन की सुविधा उपलब्ध करा दिये जाने का लक्ष्य रखा गया है?

संचार मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री सुखराम) (क) जी हां।

(ख) इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीफोन प्रणालियां अधिकांशतः लाभप्रद नहीं हैं।

(ग) समाचार में उल्लिखित रिपोर्ट अभी विभाग को प्रस्तुत नहीं की गई है।

(घ)

1991-92		1992-93	
लक्ष्य	उपलब्धियां	लक्ष्य	उपलब्धियां
गांवों की संख्या		गांवों की संख्या	
20,000	109%	36,500	82%

(ङ) आगामी तीन वर्षों के दौरान देश के लगभग 40% ग्रामीण क्षेत्रों में टेलीफोन सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है और सन् 2000 तक सभी गांवों को टेलीफोन सुविधा प्रदान की जानी है।